चौथी इकाई

❑ चित्रों में दिए गए वाक्यों पर चर्चा करवाएँ । इसी प्रकार के अन्य वाक्य सुनाएँ और कहलवाएँ । अन्य सार्वजनिक स्थलों के बारे में जानकारी प्राप्त करने, सूचनाएँ पढ़कर बताने के लिए कहें । परिचित डाकिये, बैंक कर्मचारी से बातचीत करने हेतु सूचना दें ।

● वाचन – पढ़ो और गाओ :

२. ध्वज फहराएँगे

हम नन्हे-नन्हे बच्चे हैं,
नादान, उमर के कच्चे हैं,
पर अपनी धुन के सच्चे हैं,
जननी की जय-जय गाएँगे,
भारत का ध्वज फहराएँगे ।

अपना पथ कभी न छोड़ेंगे,
अपना प्रण कभी न तोड़ेंगे,
हिम्मत से नाता जोड़ेंगे,
हम हिमगिरि पर चढ़ जाएँगे,
भारत का ध्वज फहराएँगे ।

हम भय से कभी न डोलेंगे,
अपनी ताकत को तोलेंगे,
साहस की बोली बोलेंगे
पग आगे सदा बढ़ाएँगे,
भारत का ध्वज फहराएँगे ।

– सोहनलाल द्‌विवेदी

❑ उचित हाव-भाव से कविता का पाठ करें और विद्‌यार्थियों से कई बार सस्वर पाठ करवाएँ । उचित लय-ताल में सामूहिक गुट, एकल पाठ करवाएँ । उनसे छोटे-छोटे प्रश्न पूछें और उत्तर प्राप्त करें । देशभक्ति की अन्य कविताएँ पढ़ने के लिए कहें ।

स्वाध्याय हेतु अध्यापन संकेत – प्रत्येक इकाई के स्वाध्याय में दिए गए 'सुनो', 'पढ़ो' प्रश्नों के लिए सामग्री उपलब्ध कराएँ । यह सुनिश्चित करें कि सभी विद्‌यार्थी स्वाध्याय नियमित रूप से कर रहे हैं । विद्‌यार्थियों के स्वाध्याय का 'सतत सर्वंकष मूल्यमापन' भी करते रहें ।

स्वाध्याय

१. सीडी/डीवीडी पर देशभक्ति गीत/लोकगीत सुनो ।

२. राष्ट्रध्वज से संबंधित दिए गए शब्दों के आधार पर दो-दो वाक्य बोलो :

(क) केसरी (ख) सफेद (ग) हरा (घ) अशोक चक्र

३. किसी स्वतंत्रता सेनानी से संबंधित घटना पढ़ो ।

४. अपने गाँव/शहर के बारे में पाँच वाक्य लिखो ।

५. राष्ट्रीय त्योहार पर तुम क्या-क्या करते हो, बताओ :

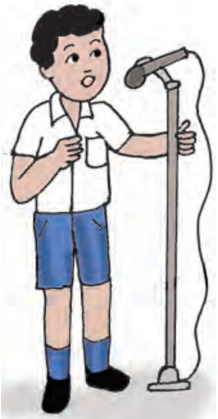

६. पाठशाला के मैदान पर तुम्हें २० रुपये का नोट पड़ा मिला तो तुम क्या करोगे ?

● **श्रवण – सुनो और बोलो :**

३. परिश्रम का फल

एक बार किसी महापुरुष के पास एक युवक आया और बोला, "आप मेरी सहायता कीजिए, मैं बहुत परेशान हूँ । मेरे पास इस समय फूटी कौड़ी भी नहीं है ।" महापुरुष ने उसकी परेशानी सुनने के बाद कहा, "मेरा एक दोस्त व्यापारी है, वह इनसानी आँखों को खरीदता है । तुम्हारी आँखों के बीस हजार तो दे ही देगा ।" "जी नहीं, मैं अपनी आँखें नहीं बेच सकता ।" युवक घबराकर बोला ।

महापुरुष ने एक बार और प्रयास किया, "वह हाथों को भी खरीदता है, तुम्हारे हाथों की कीमत पंद्रह हजार रुपये दे देगा ।" युवक ने घबराकर इनकार में सिर हिलाया और बोला, "मुझे आपसे यह उम्मीद नहीं थी ।" महापुरुष उसकी नाराजगी से विचलित हुए बिना बोले, "मुझे तुम्हारी परेशानी का एहसास है । इसलिए मैं कहता हूँ तुम्हारे लिए इस तरह का सौदा बहुत अच्छा रहेगा । अगर तुम्हें मालदार बनना है तो एक लाख रुपये लेकर पूरा शरीर बेच दो । परेशानियों से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी ।" युवक चीखकर बोला, "एक लाख तो क्या मैं एक करोड़ में भी अपना शरीर नहीं बेचूँगा ।"

इसपर महापुरुष ने मुसकुराकर कहा, "जो व्यक्ति अपना शरीर एक करोड़ में भी नहीं बेच सकता, वह कैसे कह रहा है कि उसके पास कुछ भी नहीं है । यह पूरा शरीर एक खजाना है । ईमानदारी से मेहनत करो, सोना-चाँदी तो क्या सूरज-चाँद भी तुम्हारे हाथ में आ सकते हैं ।" अब युवक उनके मंतव्य को समझ गया और बोला, " मैं आपका बेहद आभारी हूँ। आपने मेरी आँखें खोल दीं ।"

❑ उचित आरोह-अवरोह के साथ मुखर वाचन करें और करवाएँ । शरीर के बाह्य अंग, उनके कार्य और महत्त्व पर चर्चा कराएँ । विद्‌यार्थी घर में क्या-क्या काम करते हैं, उनसे पूछें । 'आलस्य हमारा शत्रु है', इसपर चर्चा कराएँ । अन्य कहानियाँ पढ़वाएँ ।

स्वाध्याय

१. राजा–रानी की कोई कहानी सुनाओ ।

२. उत्तर दो :

(क) महापुरुष के पास आकर युवक क्या बोला ?

(ख) महापुरुष ने युवक की आँखों की कितनी कीमत बताई ?

(ग) महापुरुष ने मुसकुराकर क्या कहा ?

(घ) महापुरुष का मंतव्य समझकर युवक क्या बोला ?

३. किसी संत की जीवनी पढ़ो ।

४. किसने–किससे कहा, लिखो :

(च) "आप मेरी सहायता कीजिए ।"

(छ) "मेरा एक दोस्त व्यापारी है ।"

(ज) "मुझे आपसे यह उम्मीद नहीं थी ।"

(झ) "ईमानदारी से मेहनत करो ।"

५. चित्रों को पहचानो और उनका महत्त्व बताओ :

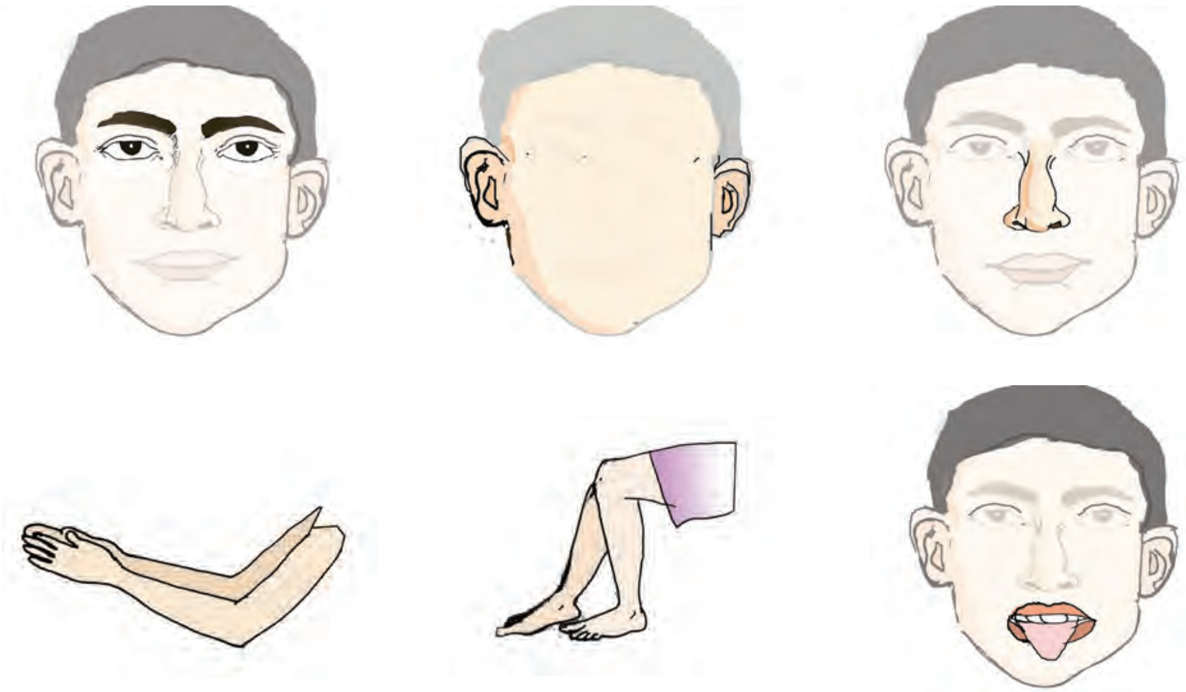

६. तुमने दूसरों की सहायता कब और कैसे की, इसकी सूची बनाओ ।

● **वाचन – पढ़ो, समझो और लिखो :**

४. बालिका दिवस

(सब बच्चे दूर्वा के घर खेलने के लिए एकत्रित हुए हैं । वहाँ चाची जी और बड़े भैया भी हैं ।)

दूर्वा – सृष्टि, आज तो तुम बहुत तैयार होकर आई हो ।

सृष्टि – आज तीन जनवरी बालिका दिवस है ना !

प्राची – अरे हाँ ! कल बहन जी ने बताया था कि सावित्रीबाई फुले का जन्मदिन 'बालिका दिवस' के रूप में मनाया जाता है ।

चाची जी – सावित्रीबाई फुले महाराष्ट्र की प्रथम शिक्षिका मानी जाती हैं । अपने पति महात्मा जोतीबा फुले के साथ मिलकर उन्होंने लड़कियों के लिए पहली पाठशाला पुणे में शुरू की थी ।

ईशान – आजकल तो लगभग सभी लड़कियाँ पाठशाला जाती हैं । पढ़ाई-लिखाई के सभी क्षेत्रों में खूब आगे हैं ।

मंत्र – हाँ, आज समाजसेवा, शिक्षा, विज्ञान, संगीत, प्रशासन, शोधकार्य, खेलकूद आदि हर क्षेत्र में लड़कियाँ आगे बढ़ रही हैं ।

सृष्टि – मेरी माँ बताती हैं कि शिक्षा हमें स्वावलंबी और सजग बनाती है ।

भैया – कहते हैं, एक लड़की शिक्षित होती है तो पूरा परिवार शिक्षित होता है ।

प्राची – हाँ ! इसलिए हम सबको खूब मन लगाकर पढ़ना चाहिए ।

सभी – खूब पढ़ेंगे-खूब बढ़ेंगे ।

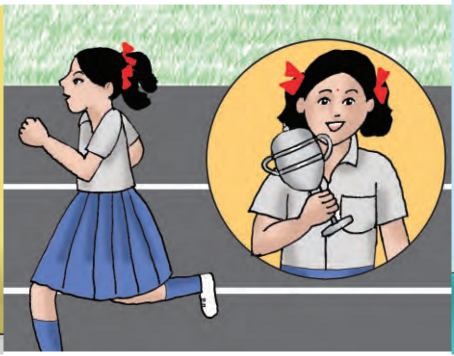

❑ उचित आरोह-अवरोह, उच्चारण के साथ पाठ का वाचन करें । विद्यार्थियों से अनुवाचन कराएँ । मुखर और मौन वाचन हेतु प्रेरित करें । 'बहन' के महत्व पर चर्चा कराएँ । विद्यार्थी अपनी बहन के लिए क्या-क्या कर सकते हैं, उनसे लिखवाएँ ।

स्वाध्याय

१. देखी हुई कोई घटना/प्रसंग सुनाओ ।

२. पाठशाला में ‘बालदिवस’ कैसे मनाया गया, बताओ ।

३. तेनालीराम की कहानियाँ पढ़ो ।

४. उत्तर लिखो :

(क) तीन जनवरी को कौन-सा दिवस है ?

(ख) महाराष्ट्र की प्रथम शिक्षिका कौन मानी जाती हैं ?

(ग) शिक्षा हमें क्या बनाती है ?

(घ) एक लड़की शिक्षित होती है तो कौन शिक्षित होता है ?

५. महिला क्या-क्या कर सकती है, बताओ :

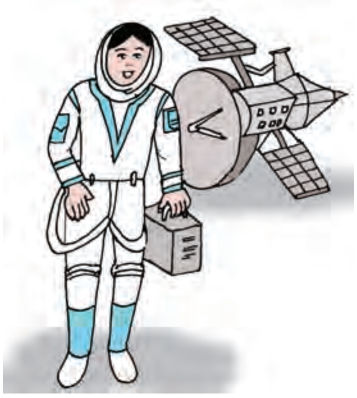

६. तुम घर के कौन-कौन-से काम करते हो, बताओ ।

● **पंचमाक्षर – सुलेखन करो :**

५. पर्यटन

तिथि.......

विषय – हिंदी

घटक – पर्यटन

कक्षा – तीसरी

: सैर संबंधी सूचनाएँ :

कब आना है ?

↓

क्या–क्या लेकर आना है ?

↓

पानी की बोतल, थोड़ा–सा नाश्ता, बड़ा रूमाल, कॉपी–पेन्सिल, टोपी, खेल की सामग्री लाना है ।

क्या–क्या नहीं लाना है ?

↓

कीमती वस्तुएँ, मोबाइल, चाबी, बैटरी नहीं लाना है ।

कहाँ आना है ?

↓

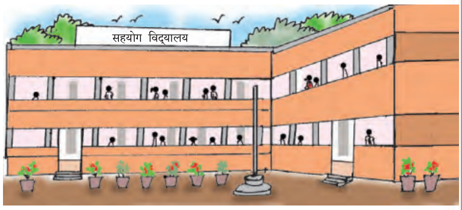

कैसे आना है ?

↓

स्वच्छ कपड़े, चप्पल या जूते पहनकर, अपना–अपना परिचयपत्र लेकर आना है ।

❑ विद्यार्थियों से पाठ्यांश का अनुवाचन और मुखर वाचन करवाएँ । प्रत्येक विद्यार्थी को मौन वाचन करने का अवसर दें । सैर का अपना पूर्वानुभव सुनाने के लिए कहें । ऊपर दी गई सूचनाओं के आधार पर 'पर्यटन' के बारे में दस वाक्य लिखने हेतु प्रेरित करें ।

तीसरी कक्षा के विद्‌यार्थियों का दर्शनीय स्थल के भ्रमण का कार्यक्रम बना । कक्षा शिक्षिका अंकिता बहन जी ने सभी बच्चों को इकट्‌ठा किया और श्यामपट्‌ट की सूचना पढ़ने के लिए कहा ।

शिक्षिका ने उपस्थिति के अनुसार सबके नाम उपस्थिति पंजिका में लिखे ।

पंकज, शंखेश, गंगा, संघमित्रा, कंचन, कांछी, गुंजन, जुंझन, चिंटू, नीलकंठ, पांडुरंग, पंढरी, कुंतल, मंथन, चंदन, संध्या, चंपा, गुंफी, अंबा, और रंभा ।

अंत में शिक्षिका ने विद्‌यार्थियों को समय पर आने की सूचना दी ।

सभी बच्चे मन में सैर का उत्साह लिए अपने-अपने घर की ओर चल पड़े ।

❑ क,च,ट,त,प वर्ग के पंचमाक्षर ङ,ञ,ण,न,म हैं । ये अपने ही वर्ग के शेष चार वर्णों में से किसी भी वर्ण से मिले तो अनुस्वार उसके पहले वाले वर्ण पर लगता है । उदा.- शंख (शङ्‌ख), 'क' वर्ग का पंचमाक्षर 'ङ' वर्ण 'ख' से मिले तो अनुस्वार पहले वर्ण 'श' पर लगता है । पंचमाक्षरयुक्त शब्दों का सामूहिक अनुकरण एवं मुखर वाचन करवाएँ । प्रत्येक विद्‌यार्थी को मौन वाचन करने का अवसर दें । उनसे पंचमाक्षर के प्रयोग पर चर्चा करें एवं समझाएँ । पाठ्‌यपुस्तक में आए हुए पंचमाक्षरयुक्त शब्दों को ढूँढ़ने के लिए कहें और उनका लेखन करवाएँ ।

● भाषा प्रयोग – पढ़ो, समझो और लिखो :

६. जोकर

१. जोकर की हरकतें देखकर
लोग दंग रह गए ।

२. जोकर बड़ी-बड़ी बातें
करके हवा में उड़ता है ।

३. जोकर ने जोरदार ठहाका लगाया ।

४. बच्चों को खुश देखकर जोकर
ओंठ फैलाकर रह गया ।

५. उचित प्रतिसाद न मिलने पर जोकर
मन मसोसकर रह गया ।

६. मन के भाव छिपाकर जोकर
को दाँत दिखाने ही पड़ते हैं ।

❑ पाठ में आए मुहावरों, कहावतों पर चर्चा कराएँ । अर्थ बताते हुए मुहावरों, कहावतों का वाक्य में प्रयोग करने हेतु प्रेरित करें । ऊपर आए मुहावरों, कहावतों को लिखवाएँ । जोकर के बारे में विद्यार्थियों से अपना अनुभव सुनाने के लिए कहें ।

७२ CMYK

७. सरकस में कलाकारों के करतब देखकर
जोकर हक्का-बक्का रह गया ।

८. तालियों ने जोकर का मन मोह लिया ।

९. कुछ बच्चों की शरारतों पर
जोकर उन्हें आँखें दिखा रहा था ।

१०. खेल समाप्त हो जाने पर जोकर
आँखें मटका रहा था ।

११. जोकर जहाँ भी जाता है, वहाँ के रंग में रँग जाता है,
अर्थात 'गंगा गए गंगादास, जमना गए जमनादास ।'

१२. गाना तो आता नहीं और जोकर कहता है
गला खराब है, यह तो ऐसा ही हुआ,
'नाच न जाने, आँगन टेढ़ा ।'

❑ विद्यार्थियों से कृतियुक्त मुहावरे, कहावतों के अनुसार अभिनय कराएँ। इनका वाक्यों में प्रयोग करवाएँ। घर-परिसर में सुने मुहावरों, कहावतों की सूची बनवाएँ । विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक में आए हुए मुहावरों, कहावतों का संग्रह करने हेतु प्रोत्साहित करें ।

● आकलन – समझो और बताओ :

७. क्या तुम जानते हो ?

१. हमारा राष्ट्रीय पशु .... है । (अ) बाघ (ब) शेकरू

२. हमारा राष्ट्रीय पक्षी .... है । (अ) हरियाल (ब) मोर

३. हमारे राष्ट्रीय फूल का नाम .... है ।

४. हमारे राज्य के फूल का नाम .... है । (अ) कमल (ब) जारूळ

५. हिंदी दिवस .... को मनाया जाता है ।

६. मराठी भाषा दिन .... को मनाया जाता है । (अ) १४ सितंबर (ब) २७ फरवरी

७. हमारा राष्ट्रीय खेल .... है ।

८. हमारे प्रदेश का खेल .... है । (अ) हॉकी (ब) कबड्डी

९. राष्ट्रगीत .... ने लिखा है ।

१०. सारे जहाँ से अच्छा .... ने लिखा है । (अ) रवींद्रनाथ ठाकुर (ब) इकबाल

❑ उपरोक्त वाक्यों का वाचन करें । विद्‌यार्थियों से मुखर एवं मौन वाचन कराएँ । उनसे चर्चा कराके उत्तर प्राप्त करें । महाराष्ट्र की महत्त्वपूर्ण जानकारी कहलवाएँ । सामान्य ज्ञान बढ़ाने हेतु अन्य प्रश्न पूछें । सामान्य ज्ञान की पुस्तक पढ़ने हेतु प्रेरित करें ।

● परिसर अभ्यास – पढ़ो, समझो और कृति करो :

८. पर्यावरण बचाओ

जल के बिना जिंदगी,
कैसे चल पाएगी, बोलो
नदियों में कचरा मत डालो,
जहर न इनमें घोलो,
कहर न इनपे ढाओ साथी !
पर्यावरण बचाओ ! पर्यावरण बचाओ साथी !

पेड़ हमारे जीवनसाथी,
पेड़ हमारे जीवनदाता,
पेड़ों से है इनसानों का
साँस-साँस का नाता;
इन्हें न तुम कटवाओ साथी ।
पर्यावरण बचाओ ! पर्यावरण बचाओ साथी ।

गैसें घोल-घोलकर तुमने
कर दी हवा विषैली,
आसमान की उजली चादर
अब है मैली-मैली,
अरे होश में आओ साथी ।
पर्यावरण बचाओ ! पर्यावरण बचाओ साथी ।

–अशोक अंजुम

❑ उचित हाव-भाव के साथ कविता का वाचन करें । विद्यार्थियों से साभिनय कविता-पाठ करवाएँ । जल, वायु, ध्वनि प्रदूषण पर चर्चा कराएँ । पौधे लगाने एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु जागृत करें । विद्यालय के वृक्षारोपण के बारे में बोलने के लिए प्रेरित करें ।

● निबंध – पढ़ो, समझो और लिखो :

९. चाचा चौधरी

काल्पनिक भारतीय महानायकों में चाचा चौधरी का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है । वे जासूस हैं । चाचा चौधरी के जन्मदाता व्यंग्यकार 'प्राण' हैं । १९७१ में पहली बार एक बाल पत्रिका द्‌वारा बच्चों का उनसे परिचय हुआ ।

चाचा चौधरी मध्यवर्गीय हैं । वे शर्ट पर टाई लगाते हैं । सिर पर लाल पगड़ी बाँधते हैं । जेब में घड़ी होती है और हाथ में छड़ी । वे बहुत तीव्र बुद्‌धि के हैं । कंप्यूटर से भी तेज दिमाग है उनका ! उन्होंने अपराध के अनेक मामले सुलझाए हैं । चोर, उचक्के उनसे दूर रहने में ही भलाई समझते हैं । साबू, ताऊ जी, चाची, डैग-डैग ट्रक, पिंकी, रमन, बल्लू, रॉकेट उनके मित्र एवं राका और अन्य सभी अपराधी उनके शत्रु हैं ।

बन्नी चाची ऊपरी तौर पर कठोर हैं । नारियल की भाँति भीतर से उनका हृदय कोमल है । उनके भाई का नाम तरबूजीदास है । छज्जू चौधरी, चाचा का जुड़वा भाई है । दोनों में बहुत साम्य है । लोगों को प्रायः धोखा हो जाता है कि कौन चाचा है, कौन छज्जू ? ताऊ जी जादू की छड़ी से बुराइयों को खत्म करते हैं । साबू गुंडों की जमकर मरम्मत करता है । टिंगू मास्टर छोटे कद का है । डैग-डैग आधा इनसान और आधी मशीन है ।

चाचा चौधरी के पालतू कुत्ते का नाम रॉकेट है । वह अपना काम मन लगाकर करता है । चाचा चौधरी का सबसे बड़ा शत्रु राका है जो पहले डाकू था । उनका एक और शत्रु गोबर सिंह भी डाकू है । चाचा चौधरी के अनेक शत्रु कई बार उनके हाथों मात खा चुके हैं । अपराधी हमेशा उनके नाम से थर्राते हैं ।

– ***बानो सरताज***

❑ इस निबंध का वाचन करवाएँ । विद्‌यार्थियों को मौन वाचन के लिए दस मिनिट का समय देकर, निबंध के पात्रों के नाम पूछें । कारटून जगत से संबंधित अन्य पात्रों के नाम कहलवाएँ । विद्‌यार्थियों से उनकी पसंद के कारटूनों के चित्र बनाने के लिए कहें ।

स्वाध्याय

१. मोगली की कहानी सुनो ।

२. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर बताओ :

नानी, बच्चा, चूहा, घोड़ी, अध्यापक, गुड़िया, बुआ, ऊँटनी, सियारिन, कुत्ता ।

३. पढ़ो और समझो :

शशि, सुभाष, स्पर्श, गणवेश, वेशभूषा, स्रोत, स्त्रोत, वृष्टि, शीर्षक, आशीष, कृष्णा, मार्गशीर्ष ।

४. उत्तर लिखो :

(क) चाचा चौधरी के जन्मदाता कौन हैं ?

(ख) चाचा चौधरी सिर पर क्या बाँधते हैं ?

(ग) बन्नी चाची का स्वभाव कैसा है ?

(घ) रॉकेट किसका नाम है ?

५. चित्रों को पहचानकर उनके नाम बताओ :

६. तुम परीक्षा देने जा रहे हो । बिल्ली ने रास्ता काट दिया तो क्या करोगे ?

१. घर वापस लौट जाओगे ।

२. बैठकर रोने लगोगे ।

३. बिना परवाह किए परीक्षा देने चले जाओगे ।

व्यावहारिक सृजन – पढ़ो, समझो और लिखो :

१०. कब–बुलबुल

महाराष्ट्र राज्य में भारत स्काउट और गाइड्स की तरफ से पहली से चौथी कक्षा तक के लड़कों/लड़कियों के लिए क्रमशः कब/बुलबुल पथक की व्यवस्था की गई है । इन पथकों को अपनाने वाले विद्यार्थी को यथाशक्ति ईश्वर और देश के प्रति अपने कर्तव्य का पालन करने, कब/बुलबुल के नियम मानने तथा प्रतिदिन भलाई का एक कार्य करने की प्रतिज्ञा करनी पड़ती है ।

कब/बुलबुल के विद्यार्थी बड़ों की आज्ञा मानते हैं तथा हमेशा स्वच्छ और विनम्र होते हैं । वे किसी प्रकार की अंधश्रद्धा को नहीं मानते हैं । ऐसे बच्चे बहुत ही अनुशासित एवं समय का पालन करने वाले होते हैं । कब और बुलबुल की अलग–अलग पोशाकें होती हैं । अपने गणवेश में लड़के–लड़कियाँ बहुत ही आकर्षक दिखाई पड़ते हैं । उनके चेहरे पर आत्मविश्वास झलकता रहता है ।

तुम भी कब/बुलबुल पथक के सदस्य बनकर पदक प्राप्त करो ।

❑ उचित उच्चारण के साथ पाठ का सामूहिक, गुट में, एकल मुखर वाचन कराएँ । कब/बुलबुल पथक की जानकारी दें । विद्यार्थियों के पथक बनाएँ । विभिन्न सांकेतिक चिह्नों पर चर्चा करें । ये चिह्न कहाँ–कहाँ देखे हैं, बताने के लिए कहें और सूची बनवाएँ ।

स्वाध्याय

१. **अपने मित्र के जन्मदिन समारोह का वर्णन करो ।**

२. **तुम कौन-कौन-से त्योहार मनाते हो, बताओ ।**

३. **सुवचनों को पढ़ो और समझो :**

(क) मक्खी, मच्छर भगाओ, रोग मिटाओ ।
(ख) विश्वास रखो, अंधविश्वास नहीं ।
(ग) बेईमानी ठुकराओ, ईमानदारी अपनाओ ।
(ङ) आलस्य सबसे बड़ा रोग है ।

४. **शब्दों का उचित क्रम लगाकर वाक्यों को फिर से लिखो :**

(च) पथक व्यवस्था है की कब/बुलबुल गई की ।
(छ) बड़ों आज्ञा की हैं मानते बुलबुल/कब विद्‌यार्थी के ।
(ज) और सूची उनका निरीक्षण बनाओ करो ।
(झ) स्वच्छ हमेशा हैं और होते विनम्र ।

५. **चित्रों को पहचानो और खाद्‌य पदार्थों के नाम बताओ :**

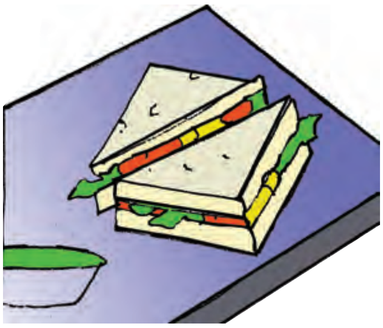

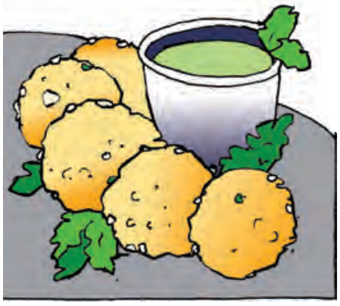

६. **तुम किन-किन कार्यों में माँ की सहायता करते हो, बताओ ।**

* पुनरावर्तन *

* बिंदुओं पर १ से १०० तक के अंकों को अक्षरों में लिखकर मिलाओ :

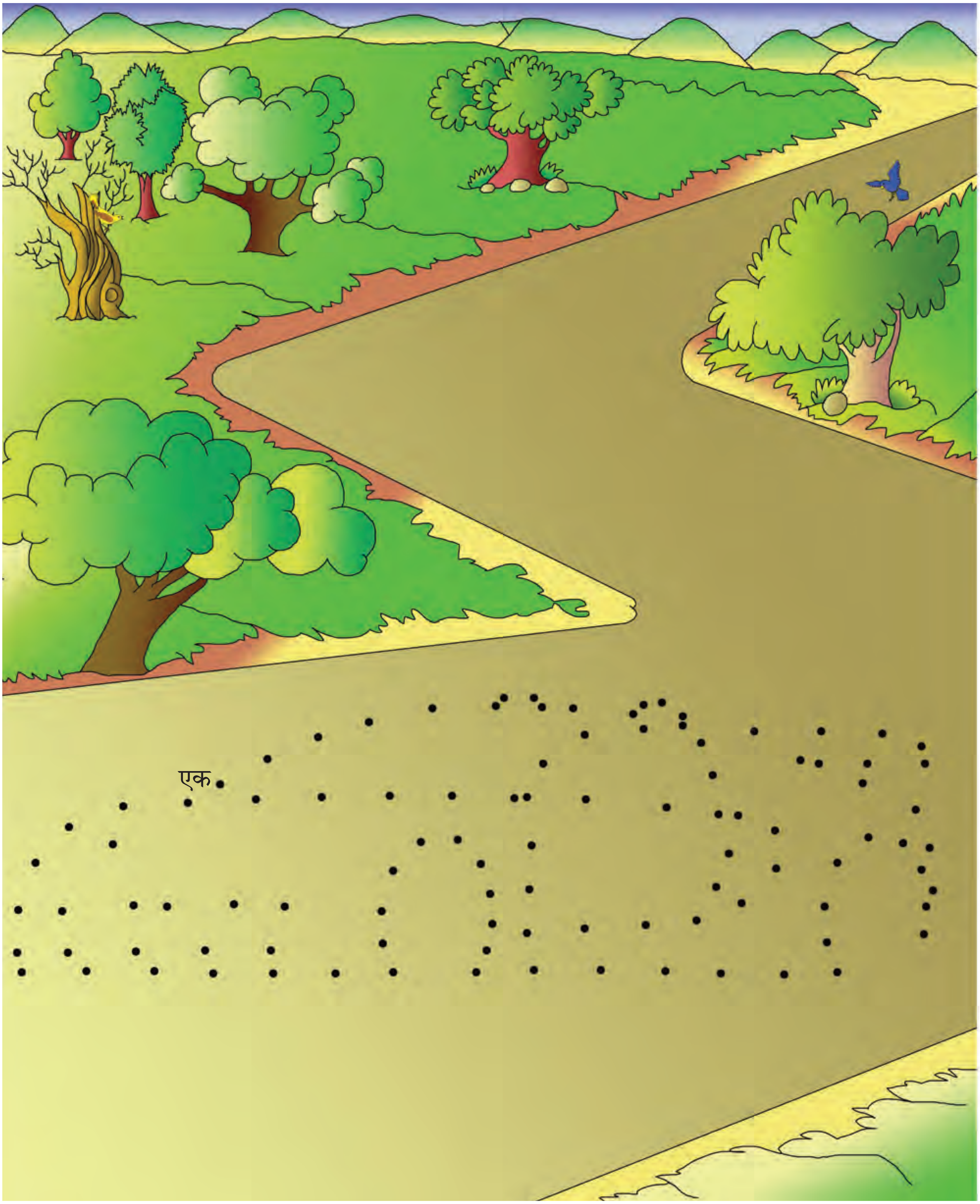

✻ पुनरावर्तन ✻

१. क से ज्ञ तक के वर्ण सुनो ।
२. अपने रिश्तेदारों का परिचय विस्तार से दो ।
३. ईसप की कहानियाँ पढ़ो ।
४. पंचमाक्षरयुक्त शब्द सुधारकर लिखो :

खभां, अण्डा, हिंदि, झँडा, शङ्‌ख, चचंल, इद्रधनुष, सतरां, मुम्बई, कघां, कान्ता, गँगा ।

५. अक्षर समूह में से वैज्ञानिकों के उचित नाम बताओ और लिखो :

मी	भा	हो	भा				
र्य	ट्ट	भ	आ				
स्क	रा	र्य	भा	चा			
जे.	क	म	ला	ए.	पी.		
ग	श	दी	चं	ब	सु	ज	द्र

उपक्रम

अपने बारे में शिक्षक से सुनो ।	छुट्टियों में तुम क्या-क्या करना चाहते हो, बताओ ।	कोई बाल-पत्रिका पढ़ो ।	खाद्य पदार्थों की सूची बनाओ ।

८१ CMYK

✻ पहेली ✻

१			२		३			४
			६		५	६		
७	८			९				
१०		११		१२	१३			
		१४						
१५	१६			१७		१८		
१९			२०		२१			
					२२			
२३							२४	

बाएँ से दाएँ : १. कान में कही जाने वाली बात, ५. ताप की मात्रा, ७. गीत, १०. निर्माण, १२. बचा हुआ, १४. एक रंग, १५. विश्राम, १८. दोष दूर करना, १९. दंड, २०. स्वाधीनता, २२. वाणी, २३. अच्छा चालचलन, २४. एक बहुमूल्य धातु ।

ऊपर से नीचे : १. कैदखाना, २. तीक्ष्ण, ३. बेटी, ४. ध्यान से सुनना, ६. दूसरे का, ८. नृत्य, ९. प्रभाव, ११. असफल, १३. कौआ, १५. अगल-बगल, १६. अधिपति, १७. वाद्‌य, २०. आकृति, २१. दीपों का त्योहार ।

* शब्दार्थ *

पहली इकाई

१. खेल : अंतर्गृही= चार दीवारों के अंदर ।
२. नानी जी का गाँव : सघन= घनी; अद्‌भुत= अनोखी; खुशबू= सुगंध ।
३. गौरैया : मेरी सहेली : पारा चढ़ना= गुस्सा होना; नाहक= बिना कारण ।
४. मुंबई-छोटा भारत : उद्‌यान= बगीचा; चुगाना= खिलाना ।
९. मैं तितली हूँ : मँड़राना= चक्कर लगाना; चकत्ते= दाग ।
१०. सप्ताह का अंतिम दिन : अभिनय= नकल करना; बला= आफत ।

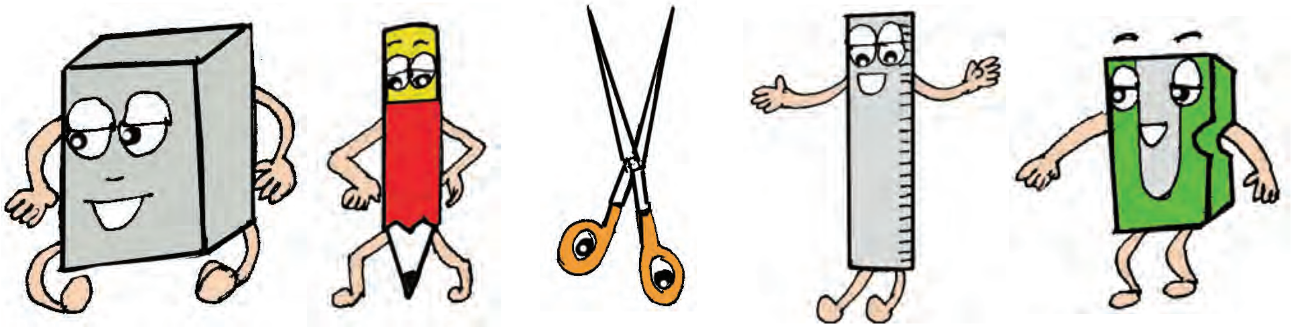

दूसरी इकाई

१. किला और गढ़ : धरोहर= विरासत; परकोटा= घेरा ।
२. अगर : संदूक= बक्सा, पेटी; दानव= दैत्य ।
३. जादू : मधुर= मीठा; गूँजना= ध्वनित होना; पाबंदी= प्रतिबंध, बंधन ।
४. धरती की सब संतान : तलाशना= खोजना; उपलब्ध= प्राप्त ।
५. तिल्लिसिं : खिल्ली= मजाक; चिबिल्ली= चंचल; गठिल्ली= गाँठवाली ।
१०. मीठे बोल : समृद्‌ध= बढ़ना; परहित= परोपकार; सरिस= समान; धरम= धर्म ।

८३ C M Y K

तीसरी इकाई

१. रेल स्थानक : पादचारी= पैदल चलने वाले; लावारिस= जिसका वारिस न हो ।

३. बच्चे को दूध मिला : दौड़ धूप= भागमभाग; निभाना= पूरा करना ।

५. अपनी प्रकृति : हर्ष= आनंद; टिमटिमाना= चमकना; तिलमिलाना= क्रोधित होना ।

१०. आओ कुछ सीखें : आसान= सरल; तय करना= निश्चय करना ।

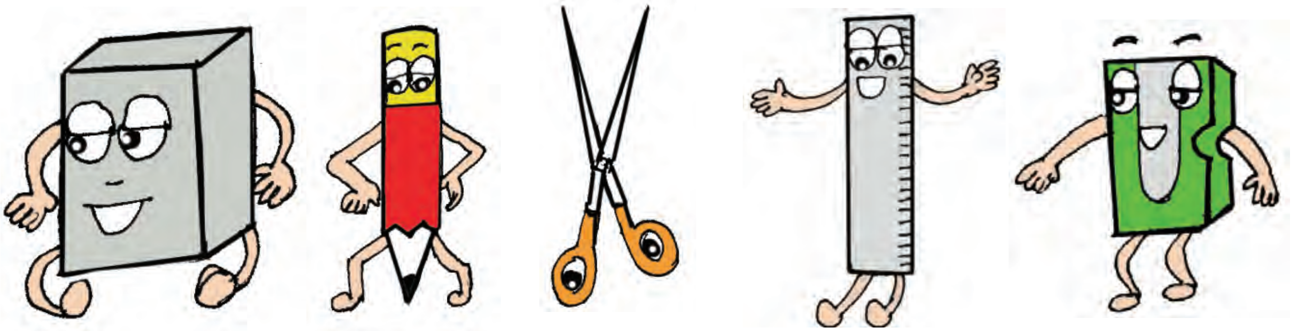

चौथी इकाई

२. ध्वज फहराएँगे : नादान= नासमझ; धुन= लगन; पथ= रास्ता; प्रण= निश्चय ।

३. परिश्रम का फल : फूटी कौड़ी भी न होना= कुछ भी न होना; प्रयास= प्रयत्न; उम्मीद= आशा; विचलित= अस्थिर; एहसास= जानकारी; मंतव्य= तात्पर्य ।

५. बालिका दिवस : प्रशासन= नियमानुसार शासन ।

६. जोकर (मुहावरे/कहावतें) : रंग में रंग जाना= प्रभाव में आना;
हवा में उड़ना= घमंड होना; ठहाका लगाना= जोर से हँसना;
मन मसोसकर रहना= मन मारना; दाँत दिखाना= हँसना;
हक्के-बक्के रहना/दंग रह जाना= आश्चर्यचकित रह जाना;
मन मोह लेना= आकर्षित करना; आँखें दिखाना= धमकाना;
आँखें मटकाना= आँखें घुमाना;
गंगा गए गंगादास, जमना गए जमनादास= अवसरवादी;
नाच न जाने आँगन टेढ़ा= अपने दोष दूसरों पर थोपना ।

९. चाचा चौधरी : मोहताज= वंचित; मात खाना= हारना; थर्राना= काँपना ।

१०. कब-बुलबुल : यथाशक्ति= शक्ति के अनुसार ।

***

❊ स्वाध्याय के उत्तर ❊

पहली इकाई

पाठ २, स्वाध्याय-५, पृष्ठ क्र.५ : आम से बनने वाले पदार्थों के नाम ।

अमचूर, अचार, मुरब्बा, आमरस, अमावट, मैंगो आइसक्रीम ।

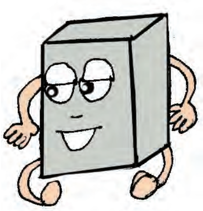

पाठ ३, स्वाध्याय-२, पृष्ठ क्र.७ : पक्षियों के नाम ।

कठफोड़वा, बुलबुल, बगुला, चील, शुतुरमुर्ग, उल्लू ।

पाठ ४, स्वाध्याय-४, पृष्ठ क्र.९ : पोशाकों के नाम ।

झबला, फ्रॉक, घाघरा-चुन्नी, शर्ट-पैंट, धोती-कुर्ता, जोधपुरी ।

पाठ ९, स्वाध्याय-९, पृष्ठ क्र.१७ : फूलों का उपयोग ।

फूलमाला, तोरण, फूलों की रंगोली, पुष्पगुच्छ, पानी पर रंगोली, फूलों से थाली की सजावट ।

पाठ १०, स्वाध्याय-१०, पृष्ठ क्र.१९ : अभिनय ।

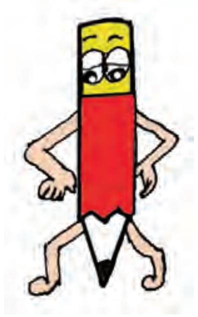

मोर, घोड़ा, मेंढक, रोटी बेलो, बरतन माँजो, झाड़ू लगाओ ।

दूसरी इकाई

पाठ २, स्वाध्याय-२, पृष्ठ क्र.२५ : कृतियाँ ।

हँसना, रोना, मुँह टेढ़ा करना, जीभ दिखाना, आँखें दिखाना, दाँत दिखाना ।

पाठ ३, स्वाध्याय-३, पृष्ठ क्र.२७ : वाद्‌यों के नाम ।

तबला, हार्मोनियम, बाँसुरी, मजीरा, सितार, ढोलक ।

पाठ ४, स्वाध्याय-४, पृष्ठ क्र.२९ : अनाज के नाम ।

बाजरा, गेंहूँ, ज्वार, चावल, अरहर, मकई ।

पाठ ९, स्वाध्याय-९, पृष्ठ क्र.३७ : बीज से पौधा बनने की प्रक्रिया ।

बीज, अंकुर, पौधा, कलियाँ, फूल, फल ।

पाठ १०, स्वाध्याय-१०, पृष्ठ क्र.३९ : प्रकृति के रूप ।

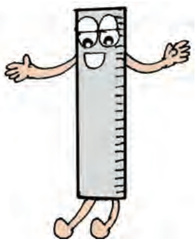

बादल, चंद्रमा, पर्वत, पेड़, सूरज, वर्षा ।

तीसरी इकाई

पाठ २, स्वाध्याय-२, पृष्ठ क्र.४५ : घड़ी देखना ।

बारह, तीन, छह, सवापाँच, साढ़े आठ, पौने ग्यारह ।

पाठ ३, स्वाध्याय- ३, पृष्ठ क्र.४७ : जल के स्रोत ।

हैंडपंप, कुआँ, झरना, नदी, तालाब, समुद्र ।

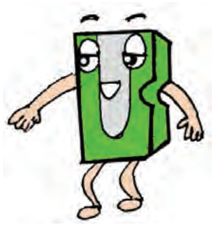

पाठ ४, स्वाध्याय-४, पृष्ठ क्र.४९ : संदर्भ सामग्री ।

चित्रमाला, हस्तलिखित, वर्णकार्ड, वाक्यपट्‌टी, चार्ट, समाचारपत्र, पत्रिका, शब्दकोश ।

पाठ ९, स्वाध्याय-९, पृष्ठ क्र.५७ : विज्ञान के चमत्कार ।

पंखा, मिक्सर, टेलीविजन, मोबाइल, संगणक, उपग्रह ।

पाठ १०, स्वाध्याय-११, पृष्ठ क्र.५९ : पत्तों के नाम ।

हरसिंगार, नीम, सदाफुली, पीपल, नीलगिरि, गुलमोहर ।

८५ CMYK

चौथी इकाई

पाठ २, स्वाध्याय-२, पृष्ठ क्र.६५ : राष्ट्रीय त्योहार की कृतियाँ ।

पताका, रंगोली, बोर्ड पर लिखना, गाना, प्रभात फेरी, भाषण ।

पाठ ३, स्वाध्याय-३, पृष्ठ क्र.६७ : शरीर के अंगों के नाम ।

आँख, कान, नाक, हाथ, पैर, जीभ ।

पाठ ४, स्वाध्याय-४, पृष्ठ क्र.६९ : महिला सबलीकरण ।

पेट्रोल भरती हुई, रेलवे ड्राइवर, बस कंडक्टर, अंतरिक्ष यात्री, न्यायाधीश, सैनिक ।

पाठ ९, स्वाध्याय-९, पृष्ठ क्र.७७ : कारटूनों के पात्रों के नाम ।

टॉम एंड जेरी, डोरेमॉन, स्पाइडरमैन, मोटू-पतलू, छोटा भीम, मोगली ।

पाठ १०, स्वाध्याय-१०, पृष्ठ क्र.७९ : खाद्य पदार्थों के नाम ।

ढोकला, चकली, सैंडविच, पानीपूरी, मसालाडोसा, साबूदाना वड़ा ।

✻ पहेली का उत्तर ✻

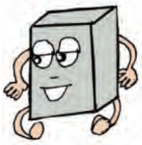
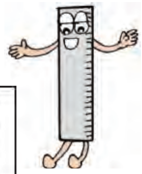

१ का	ना	बा	२ ती		३ सु			४ का
रा			६ खा		५ ता	६ प	मा	न
७ गा	८ ना			९ रो		रा		खो
१० र	च	११ ना		१२ ब	१३ का	या		ल
		१४ का	ला		क			क
१५ आ	१६ रा	म		१७ बा		१८ सु	धा	र
१९ स	जा		२० आ	जा	२१ दी			सु
पा			का		२२ वा	चा		न
२३ स	दा	चा	र		ली		२४ सो	ना

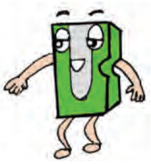
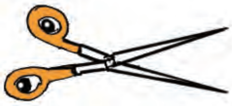

● चित्रवाचन – देखो, समझो और चर्चा करो :

✻ छोटा परिवार– सुखी परिवार

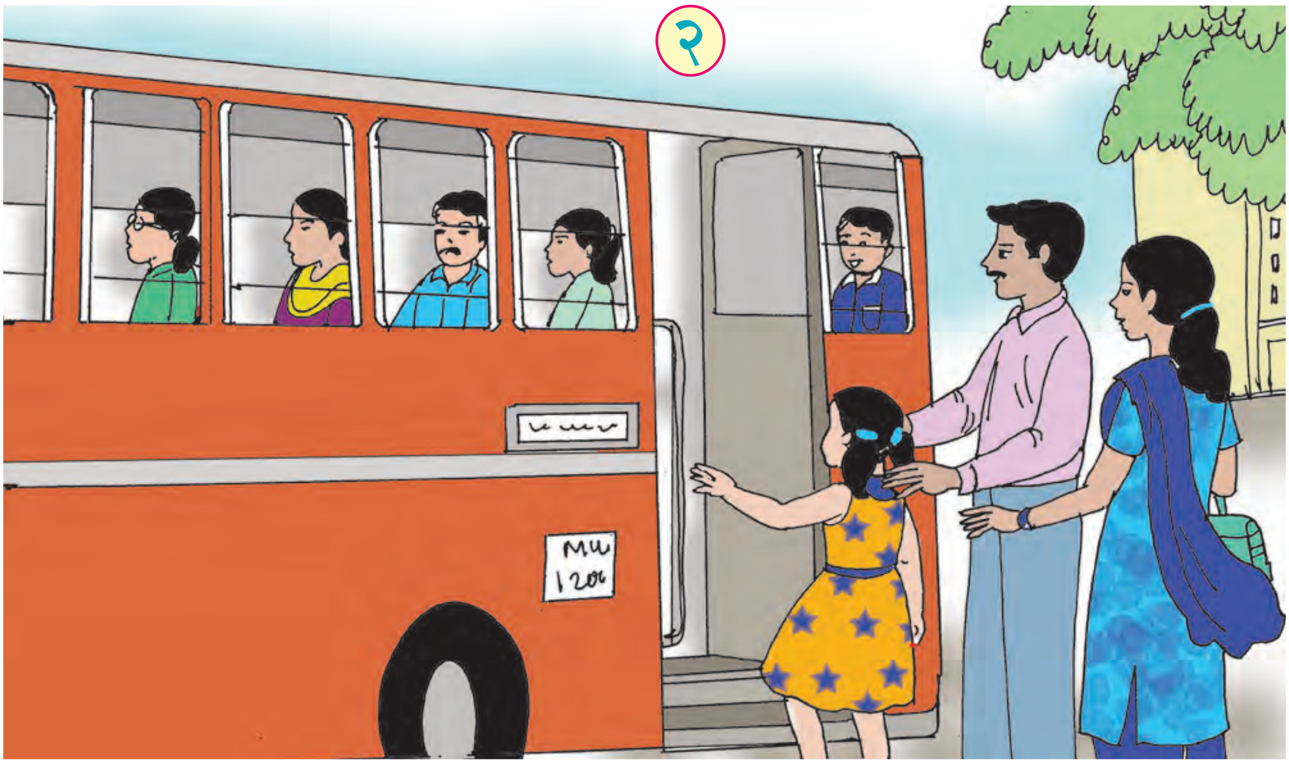

❑ चित्रों का निरीक्षण कराएँ । द्‌वितीय चित्र का परिवार आसानी से बस में चढ़ रहा है । प्रथम चित्र के परिवार को देखकर ‘कंडक्टर’ क्या सोच रहा होगा, इसपर चर्चा कराएँ । छोटे परिवार का महत्त्व और आवश्यकता समझाएँ ।

८७ CMYK

दो शब्द

यह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान को दृष्टि में रखते हुए भाषा के नवीन एवं व्यावहारिक प्रयोगों तथा विविध मनोरंजक विषयों के साथ आपके सम्मुख प्रस्तुत है । पाठ्यपुस्तक को स्तरीय (ग्रेडेड) बनाने हेतु चार भागों में विभाजित करते हुए इसका 'सरल से कठिन' क्रम रखा गया है । यहाँ विद्यार्थियों के पूर्व अनुभव, घर-परिवार, परिसर को आधार बनाकर श्रवण, भाषण- संभाषण, वाचन, लेखन के भाषाई मूल कौशलों के साथ व्यावहारिक सृजन पर विशेष बल दिया गया है । इसमें स्वयं अध्ययन एवं चर्चा को प्रेरित करनेवाली रंजक, आकर्षक, सहज और सरल भाषा का प्रयोग किया गया है ।

पाठ्यपुस्तक में क्रमिक एवं श्रेणीबद्‌ध कौशलाधिष्ठित अध्ययन सामग्री, अध्यापन संकेत, स्वाध्याय और उपक्रम भी दिए गए हैं । विद्यार्थियों के लिए लयात्मक गीत, बालगीत, कहानी, संवाद आदि विषयों के साथ-साथ चित्रवाचन, सुनो और गाओ, दोहराओ और बोलो, करो, अनुवाचन, पढ़ो, पढ़ो और लिखो, बताओ और कृति करो, आकलन, मौन-मुखर वाचन, अनुलेखन, सुलेखन, श्रुतलेखन आदि कृतियाँ भी दी गई हैं । इनका सूचनानुसार सतत अभ्यास अनिवार्य है ।

शिक्षकों एवं अभिभावकों से यह अपेक्षा है कि अध्ययन-अनुभव देने के पहले पाठ्यपुस्तक में दिए गए अध्यापन संकेत एवं दिशा निर्देशों को अच्छी तरह समझ लें । सभी कृतियों का विद्यार्थियों से अभ्यास करवाएँ । स्वाध्याय में दिए गए 'सुनो', 'पढ़ो' की पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराएँ । आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करें । शिक्षक एवं अभिभावक पाठ्यपुस्तक में दिए गए शब्दार्थ का उपयोग करें । 'पढ़ो' के शब्दों के अर्थ बताना अपेक्षित नहीं है । लयात्मक, ध्वन्यात्मक शब्दों का अपेक्षित उच्चारण एवं दृढ़ीकरण करना आवश्यक है । इस पाठ्यपुस्तक में लोक प्रचलित तद्‌भव शब्दों का प्रयोग किया गया है । इनसे विद्यार्थी सहज रूप में परिचित और अभ्यस्त होते हैं । इनके माध्यम से मानक शब्दावली का अभ्यास करना सरल हो जाता है । अतः मानक हिंदी का विशेष अभ्यास आवश्यक है ।

आवश्यकतानुसार पाठ्येतर कृतियों, खेलों, संदर्भों, प्रसंगों का समावेश करें । शिक्षक एवं अभिभावक पाठ्यपुस्तक के माध्यम से मूल्यों, जीवन कौशलों, मूलभूत तत्त्वों के विकास का अवसर विद्यार्थियों को प्रदान करें । पाठ्यसामग्री का मूल्यमापन निरंतर होने वाली प्रक्रिया है । अतः विद्यार्थी परीक्षा के तनाव से मुक्त रहेंगे । पाठ्यपुस्तक में अंतर्निहित सभी क्षमताओं-श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन, लेखन और व्यावहारिक सृजन का 'सतत सर्वंकष मूल्यमापन' अपेक्षित है ।

विश्वास है कि आप सब अध्ययन-अध्यापन में पाठ्यपुस्तक का उपयोग कुशलतापूर्वक करेंगे और हिंदी विषय के प्रति विद्यार्थियों में अभिरुचि और आत्मीयता की भावना जागृत करते हुए उनके सर्वांगीण विकास में सहयोग देंगे ।

88 CMYK